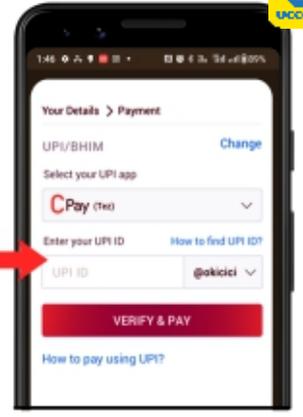
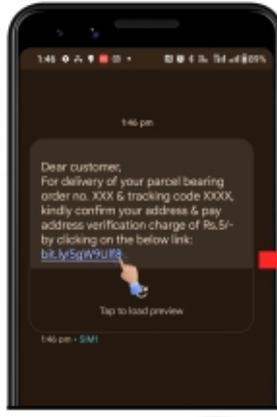


उपयोगकर्ता ने कॉल पर हैकर के साथ अद्वितीय कोड (डेस्क आईडी) साझा किया।

Don't Allow Allow



अब आपको जल्द ही एक लिंक मिलेगा। लिंक पर क्लिक करें, अपना विवरण भरें और पता परिवर्तन शुल्क के लिए ₹.5 का भुगतान करें।



धन्यवाद मैडम! आपका पार्सल आपके पते पर डिलीवर कर दिया जाएगा।

प्रिय ग्राहक, आपका पता अब अपडेट हो गया है।



कुछ देर बाद...

यह क्या!!! मेरे खाते से कई डेबिट!!



### यहाँ क्या हुआ ?

आजकल, पार्सल का इंतजार कर रहे व्यक्तियों को धोखेबाजों द्वारा सोशल इंजीनियरिंग रणनीति के माध्यम से धोखा दिया जाता है। जालसाज सर्च इंजन के परिणामों में हेरफेर करता है और फर्जी ग्राहक सेवा नंबर प्रदर्शित करता है। यदि कोई व्यक्ति उस नंबर पर संपर्क करता है, तो कूरियर सेवा कंपनी के एजेंट की आड़ में जालसाज चालाकी से व्यक्ति का विश्वास हासिल कर लेता है और फर्जी स्क्रीन शेरिंग ऐप (रिमोट एक्सेस टूल) डाउनलोड करने के लिए मना लेता है और ऐप के भीतर प्रदर्शित अद्वितीय एड्रेस कोड को साझा करने के लिए राजी कर लेता है। भ्रामक तकनीकों का उपयोग करते हुए, जालसाज व्यक्ति को दूर से डिवाइस पर नियंत्रण पाने के लिए ऐप अनुमतियाँ और सुरक्षा चेतावनी सूचनाएं स्वीकार करने के लिए मजबूर करता है। गूगल फॉर्म लिंक व्यक्तिगत विवरण के साथ-साथ कार्ड विवरण, यूपीआई आईडी और पिन आदि जैसे वित्तीय क्रेडेंशियल्स को कैचर करने के लिए साझा किया जाता है। इस डेटा और पीडिट के डिवाइस तक रिमोट एक्सेस के साथ, धोखेबाज अनधिकृत लेनदेन शुरू करता है और लेनदेन के दौरान प्राप्त ओटीपी को पढ़ता है, जिससे पीडिट को वित्तीय नुकसान होता है।

### ऐसे घोटाले से बचने के सर्वोत्तम पद्धति

- » सर्च इंजन पर कस्टमर केयर या हेल्पलाइन नंबर खोजने से बचें क्योंकि जालसाज व्यक्तियों को लुभाने के लिए नकली/फर्जी वेबसाइट के तहत भ्रामक जानकारी/विज्ञापन प्रदर्शित कर सकते हैं।
- » वैध ग्राहक सेवा या हेल्पलाइन नंबर से संबंधित जानकारी प्राप्त करने के लिए हमेशा संगठन की आधिकारिक वेबसाइट या ऐप देखें।
- » या किसी अजनबी के कहने पर कभी भी वित्तीय लेनदेन न करें।

- » कभी भी संवेदनशील, व्यक्तिगत या वित्तीय जानकारी, जैसे कार्ड विवरण, वित्तीय क्रेडेंशियल, ओटीपी, पिन, यूपीआई पिन किसी के साथ या किसी भी यादृच्छिक फॉर्म / वेबसाइट / सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म आदि पर साझा न करें।
- » ऐप की अनुमतियों, सूचनाओं, सुरक्षा चेतावनियों आदि की सावधानीपूर्वक समीक्षा करें। ऐप को अनावश्यक अनुमति न दें जो रिमोट एक्सेस की अनुमति देते हैं।
- » साइबर धोखाधड़ी की घटना की तुरंत साइबर अपराध हेल्पलाइन नंबर 1930 पर रिपोर्ट करें और राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल (<https://www.cybercrime.gov.in>) पर शिकायत दर्ज करें।

